17

एम०ए० पूर्वार्द्ध-हिन्दी साहित्य

(सन् २०१७-१८ की परीक्षा और उससे आगे से.....)

प्रथम प्रश्न पत्र : प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

पूर्णांक : १००

अंक-विभाजन :	व्याख्या	तीन ३० अंक (३x१०)
	लघुउत्तरीय प्रश्न	पांच ४० अंक (५x८)
	दीर्घ उत्तरीय (समीक्षात्मक)	दो ३० अंक (२x१५)

निर्धारित कवि और काव्य :

१. विद्यापति

'पदावली' से ३० पद

पाठ्यपुस्तक : 'विद्यापति-वैभव'

सम्पादक : प्रो० रामसजन पाण्डेय, आचार्य हिन्दी विभाग, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक।

२. कबीरदास

कबीर ग्रन्थावली (सम्पादक श्यामसुन्दर दास) विभिन्न अंगों से संकलित ३० साखियाँ तथा १५ पद

पाठ्यपुस्तक : 'कबीर-काव्य-विभा'

सम्पादक : १. प्रो० हरिशंकर मिश्र, हिन्दी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।

२. डॉ० धर्मेन्द्र कुमार शुक्ल, आचार्य नरेन्द्र देव किसान पी०जी० कालेज, बभनान, गोण्डा।

३. जायसी

'पदमावत' (सम्पादक रामचन्द्र शुक्ल) से दो खण्ड

पाठ्यपुस्तक : 'पदमावत-पराग'

सम्पादक : १. डॉ० दुर्गाप्रसाद ओझा, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, हेमवती नन्दन बहुगुणा महाविद्यालय, लालगंज, प्रतापगढ़।

२. डॉ० श्रवण कुमार गुप्ता, हिन्दी विभाग, आचार्य नरेन्द्र देव किसान पी०जी० कालेज, बभनान-गोण्डा।

17

४. सूरदास

'सूरसागर' से ४० पद

पाठ्यपुस्तक : सूर-संचयन

सम्पादक : डॉ० प्रभाकर मिश्र, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, आचार्य नरेन्द्र देव किसान पी०जी० कालनेज, बभनान, गोण्डा।

५. तुलसीदास

'विनयपत्रिका' (गीताप्रेस) से ४० पद

पाठ्यपुस्तक : 'विनय-पदावली'

सम्पादक : (१) डॉ० कामता कमलेश, पूर्व अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, जे० एस० हिन्दू कॉलेज, अमरोहा (उ०प्र०)।

(२) प्रो० सुधाकर सिंह, हिन्दी विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।

६. बिहारी

'बिहारी-रत्नाकर' (सम्पादक जगन्नाथ रत्नाकर) से ४० दोहे।

पाठ्यपुस्तक : 'बिहारी-वीथिका'

सम्पादक : डॉ० ममता तिवारी, हिन्दी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

१. भक्तिकाल की भूमिका	:	डॉ० प्रेमशंकर
२. मध्ययुगीन काव्य-साधना	:	डॉ० रामचन्द तिवारी
३. रीतिकालीन साहित्य का पुनर्मूल्यांकन	:	डॉ० रामकुमार वर्मा
४. संतकाव्य की सामाजिक प्रासंगिकता	:	डॉ० रवीन्द्रकुमार सिंह
५. हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय	:	डॉ० पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल
६. विद्यापति	:	डॉ० आनन्दप्रकाश दीक्षित
७. विद्यापति	:	डॉ० शिवप्रसाद सिंह
८. महाकवि विद्यापति	:	डॉ० जयनाथ नलिन
९. विद्यापति : व्यक्ति और कवि	:	डॉ० रामसजन पाण्डेय
१०. विद्यापति का सौन्दर्यबोध	:	डॉ० रामसजन पाण्डेय
११. कबीर	:	डॉ० आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

१२. कबीर साहित्य की परख	:	परशुराम चतुर्वेदी
१३. कबीर मीमांसा	:	डॉ० रामचन्द तिवारी
१४. कबीर की विचारधारा	:	डॉ० गोविन्द त्रिगुणायत
१५. पदमावत कला काव्य-सौन्दर्य	:	डॉ० शिवसहाय पाठक
१६. जायसी की भाषा	:	डॉ० प्रभाकर शुक्ल
१७. पदमावत	:	डॉ० वासुदेवशरण शुक्ल
१८. पदमावत (भूमिका)	:	डॉ० रामचन्द शुक्ल
१९. अष्टछाप और वल्लभ सम्प्रदाय	:	डॉ० दीनदयालु गुप्त
२०. सूरदास	:	डॉ० ब्रजेश्वर वर्मा
२१. महाकवि सूरदास	:	डॉ० आचार्य रामचन्द शुक्ल
२२. सूर और उनका साहित्य	:	डॉ० हरबंशलाल शर्मा
२३. भ्रमरगीत सार (भूमिका)	:	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
२४. सूर का शृंगार-वर्णन	:	डॉ० रमाशंकर तिवारी
२५. सूर काव्य-मीमांसा	:	डॉ० हौंसिला प्रसाद सिंह
२६. तुलसी काव्य मीमांसा	:	डॉ० उदयभानु सिंह
२७. तुलसी-दर्शन	:	डॉ० बलदेव प्रसाद मिश्र
२८. तुलसीदास और उनका युग	:	डॉ० राजपति दीक्षित
२९. रामकथा : उद्‌भव और विकास	:	डॉ० कामिल बुल्के
३०. तुलसीदास	:	आचार्य रामचन्द शुक्ल
३१. तुलसी साहित्य विमर्श	:	डॉ० देवकीनन्दन श्रीवास्तव
३२. त्रिवेणी	:	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
३३. बिहारी	:	आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
३४. हिन्दी काव्य में शृंगार-परम्परा और बिहारी	:	डॉ० गणपतिचन्द्र गुप्त
३५. बिहारी के काव्य का पुनर्मूल्यांकन	:	डॉ० रामदेव शुक्ल
३६. बिहारी का काव्य-लालित्य	:	डॉ० रमाशंकर तिवारी
३७. बिहारी सतसई	:	जगन्नाथदास 'रत्नाकर'

20 F

एम०ए० पूर्वार्द्ध-हिन्दी साहित्य

द्वितीय प्रश्नपत्र : आधुनिक गद्य

(सन् २०१७-१८ की परीक्षा और उससे आगे.....)

पूर्णांक : १००

अंक-विभाजन :	व्याख्या	तीन ३० अंक (३x१०)
	लघुउत्तरीय प्रश्न	पांच ४० अंक (५x८)
	दीर्घ उत्तरीय (समीक्षात्मक)	दो ३० अंक (२x१५)

निर्धारित पाठ्यक्रम :

(क) निबन्ध :

१. सरदार पूर्णसिंह
२. महावीर प्रसाद द्विवेदी
३. रामचन्द्र शुक्ल
४. हजारी प्रसाद द्विवेदी
५. सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'
६. विद्यानिवास मिश्र
७. कुबेरनाथ राय

पाठ्यपुस्तक का नाम : 'निबन्ध-आलोक'

सम्पादक : (१) डॉ० प्रभाकर मिश्र, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, आचार्य नरेन्द्र देव पी०जी० कालेज, बभनान-गोण्डा।

(ख) नाटक :

स्कन्दगुप्त : जयशंकर प्रसाद

अथवा

आषाढ़ का एक दिन : मोहन राकेश

(ग) उपन्यास :

गोदान - प्रेमचन्द

अथवा,

नदी के द्वीप- 'अज्ञेय'

(20)